ओ३म्

कृण्वन्तोविश्वमार्यम्

आर्य्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का मुखपत्र – पाक्षिक

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजा पार्क, जयपुर

वर्ष : 92 अंक : 20
द्वि ज्येष्ठ शुक्ल नवमी
विक्रम संवत् 2075
कलि संवत् 5119
21 जुलाई 2018 से 05 अगस्त 2018
दयानन्दाब्द : 194
सृष्टि संवत् : 01,96,08,53,119
मुख्य सम्पादक :
डॉ. सुधीर शर्मा – 9314032161
संपादक मंडल :
स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, सीकर
श्री ओम मुनि, ब्यावर
श्री विजयसिंह भाटी , जोधपुर
डॉ. बलवंत शास्त्री, बहरोड़, अलवर
डॉ. स्नेहलता शर्मा, राज. सस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
श्री हरिपाल शास्त्री , अलवर
श्री जगदीश आर्य, जखराणा, अलवर
श्री ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति, जयपुर
डॉ. संदीपन आर्य, जयपुर
श्री बृजेन्द्र देव आर्य्य , अलवर
श्री अनिल आर्य, जयपुर
प्रकाशक : आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
दूरभाष : 0141 – 2621879
प्रकाशन : दिनांक 5 एवं 21
पत्र व्यवहार का अस्थाई पता :
डॉ. सुधीर शर्मा सम्पादक, आर्य्य मार्तण्ड, 42, मुक्तानन्द नगर, गोपालपुरा बाईपास , जयपुर – 302018। मो. – 9314032161
मुद्रक : राज प्रिन्टर्स एण्ड एसोशिएट्स, जयपुर
ग्राफिक्स : प्रिण्टपैक, जयपुर ।
ई–मेल : aryamartand@gmail.com
arya.sabha1896@gmail.com
एक प्रति मूल्य : 5 रुपया
सहायता शुल्क : 100 रुपया
ऑनलाईन प्राप्ति :
www.thearyasamaj.org/aryamart

अन्तराष्टीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली

आर्य जगत के सब नर नारी, पूरा जोर लगाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।
वेद सभ्यता सदाचार को, भूल गया था जग सारा।
खाओ–पीयो, मौज–उड़ाओ, गूंज रहा था यह नारा।।
अबला, दीन अनाथ, दुःखी थे, थी भारी गुंडागर्दी।
ईश – भक्त विद्वानो से, थी नहीं किसी को हम दर्दी।।
सारी दुनियाँ आतंकित थी, जग को साफ बताओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।
जगदीश्वर ने कृपा की, ऋषि दयानन्द को भेज दिया।
स्वामी दयानन्द योगी ने, सकल विश्व का भला किया।।
कर्म प्रधान बताया ऋषि ने, वैदिक धर्म निभाया था।
विष के प्याले पी–पी करके, मिटता जगत बचाया था।।
जग हितकारी दयानन्द की, आओ महिमा गाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।
वेद विरोधी नास्तिकों ने, भूमण्डल को घेरा है।
रात अंधेरी छाई है, ना आता नजर सबेरा है।।
गुरुडम बढ़ा रहे हैं ढोंगी, दानवता का फेरा है।
अत्याचारी पनप रहे हैं, देख दुखी दिल मेरा है।।
मूँह मोड़ दो, शैतानों के, लेखराम बन जाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।
देश देश में, दुनिया भर में, पावन वेद प्रचार करो।
व्याकुल है संसार आर्यां, उठो जगत की पीर हरो।।
श्रद्धानन्द अरू हंसराज बन, परहित के तुम काम करो।
बन जाओ गुरुदत्त, लाजपत, जग में ऊँचा नाम करो।।
मानव सब मानव बन जायें, प्रेम की रीति चलाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।
याद रखो, इस दुनिया में जो, भले काम कर जाते हैं।
वे सब बड़े भाग्यशाली है, जग में आदर पातें हैं।।
खाना पीना, मैथुन करना, पशुओं का यह लक्षण है।
जीव मात्र का जो हितकारी, उसका सच्चा जीवन है।।
नन्द लाल निर्भय अब जागो, काम जगत के आओ रे ।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।

योहि मित्रेषु कालज्ञः सततं साधु वर्तते । तस्य राज्यं च कीर्तिश्च प्रतापश्चाभिवर्धते।। –वाल्मीकि रामायण – किष्किन्धाकाण्ड, सर्गः 23 ।।
अर्थात् समय को जानने वाला जो पुरुष अपने मित्रों के साथ उत्तम व्यवहार करता है उसका राज्य, यश और प्रताप उत्तरोत्तर बढ़ता है।

जिज्ञासा एवं समाधान

1. जिज्ञासा :– क्या ऐसे भी गुण हैं जो ईश्वर में नहीं हैं?
राधामोहन, बास बरेली, कृ प्र.

समाधान :– ऐसे बहुत से गुण हैं जो ईश्वर में नहीं हैं। कुछ वर्णन यहाँ करतें हैं–

ईश्वर में रूप, रस, गन्ध, स्पर्श शब्द गुण नही हैं। हलका –भारी रूप गुण ईश्वर में नही है राग द्वेष इच्छा आदि गुण परमेश्वर में नहीं हैं। संयोग – वियोग ईश्वर में नहीं है। अविद्या, जन्म, मरण आदि गुण ईश्वर में नहीं हैं। एकदेशीय, छोटा, बड़ा, ऊँचा, नीचा गुण ईश्वर में नहीं हैं। अन्याय, क्रूरता, हिंसा, पाप, छल, कपट परमेश्वर में नहीं है। इस प्रकार जितने भी परमेश्वर के कर्म व स्वभाव से विपरीत गुण हैं। वे गुण परमेश्वर में नहीं हैं। इसी आधार पर उसको निर्गुण कहा गया है, न कि मात्र निराकार होने से निर्गुण कहा है।

आचार्य सोमदेव जी अजमेर

महामहिम राज्यपाल श्रीमान् कल्याण सिंह जी को भेंट किया
'' सृष्टि विज्ञान अपूर्व ग्रन्थ वेद विज्ञान आलोकः ''

दिनांक 16 जुलाई 2018 को वैदिक वैज्ञानिक एवं वैदिक व आधुनिक भौतिकी शोध संस्थान के प्रमुख पूज्य आचार्य अग्निवृत नैष्ठिक जी ने राजभवन में महामहिम राज्यपाल श्री कल्याण सिंह जी से भेंट की भेंट के दौरान महामहिम जी को वेद संम्बन्धी अनेक जिज्ञासाओं का आचार्य जी ने समाधान किया। तथा विस्तार से समझाया कि यह ग्रन्थ संसार के भौतिक वैज्ञानिकों को एक नई एवं क्रान्तिकारी दिशा दे सकता है जिस पर उन्होंने वेद विज्ञान आलोक ग्रन्थ की और आचार्य जी के परिश्रम की भूरिशः प्रशंसा की। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी से मिलने का सुझाव दिया। इसके साथ ही राजस्थान की मुख्यमन्त्री माननीया श्रीमती वसुन्धरा राजे से भी मिलने का सुझाव दिया। आचार्य जी ने महामहिम जी से निवेदन किया कि वे वैदिक विज्ञान को राजस्थान के विश्वविद्यालयों के पाठयक्रम में सम्मिलित करवाने का प्रयास करें। महामहिम जी ने इस ग्रन्थ को विश्वविद्यालयों के संस्कृत और भौतिक विज्ञान विभाग को भेजने का सुझाव दिया। राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी भी इस ग्रन्थ को लेकर काफी उत्सुक दिखे। इस अवसर पर राजस्थान के माननीय लोकायुक्त महोदय श्री एस. एस. कोठारी तथा लोकायुक्त महोदय के प्रधान सचिव डॉ. पदम कुमार जी जैन, इस ग्रन्थ के सम्पादक एवं आचार्य जी के शिष्य विशाल आर्य, तथा सेवानिवृत्त कर्नल पूरन सिंह जी राठौड़ आदि उपस्थित रहे। वेद विज्ञान मन्दिर भागल भीम भीनमाल के आचार्य अग्निव्रत जी दिनांक 16 जुलाई 2018 को जयपुर पहुँचे और उन्होनें माननीय राज्यपाल श्री कल्याण सिंह से मिलकर वेद विज्ञान आलोक ग्रन्थ उन्हें भेंट किया महामहिम श्री सिंह जी वेद विज्ञान आलोक ग्रन्थ देखकर अभिभूत हुए तत्पश्चात उनका आगमन आर्य प्रतिनिधि सभा कार्यालय में हुआ उन्होंने अपने अभियान की जानकारी सभा मंत्री डॉ. सुधीर कुमार शर्मा आर्यवीर

दल के कार्यकारी संचालक श्री देवेन्द्र शास्त्री एवं अन्य सदस्यों को अपने अभियान की संम्पूर्ण जानकारी दी। सभा मंत्री डॉ. सुधीर कुमार, देवेन्द्र शास्त्री सी. ए. अभिषेक आर्य एवं अन्य सभा में उपस्थित सदस्यों ने उनका हार्दिक अभिनन्दन किया।

कः कालः कानि मित्राणि कः देशः को व्ययागमोः । कस्याहं का च मे शक्तिरिति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः ।। – अर्थात् कैसा समय है, कौन सा देश है, कौन मेरे मित्र हैं? मेरी आय–व्यय क्या है? मैं किसकी ओर हूँ और मेरी क्या शक्ति है! इसे बार–बार सोचना चाहिए।

आर्य महासम्मेलन की तैयारियों से सम्बन्धित सब आर्य समाजों/आर्य संस्थाओं की सेवा में पत्र

माननीय महोदय,

सादर नमस्ते !

प्रभु कृपा से आप स्वस्थ एवं सानन्द होंगे।

आप सभी को अवगत है कि "सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा" के संयुक्त तत्वावधान में "अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018 दिल्ली" का आयोजन दिल्ली में दिनांक 25–26–27 एवं 28 अक्तूबर, 2018 तक किया जा रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनों की परम्परा का आरम्भ वर्ष 1927 में दिल्ली से हुआ था। तब से आर्यों के विशाल संगठन के ये आयोजन देश–विदेश में होते रहे। वर्ष 2006 के दिल्ली महासम्मेलन में लिए गए संकल्प के आलोक में इन महासम्मेलनों की शृंखला विदेशों में पुनः आरम्भ हुई और तब से लेकर अब तक अमेरिका, मॉरीशस, सूरीनाम, हॉलैण्ड, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर–थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल एवं बर्मा में आर्य महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। अब यह महासम्मेलन पुनः दिल्ली में आयोजित हो रहा है। देश–विदेश में इसकी तैयारियां आरम्भ हो चुकी हैं। इस सम्बन्ध में आपसे निवेदन है कि–

प्रान्तीय सभा के कार्यालय को ही सम्मेलन का प्रान्तीय कार्यालय बनाया गया है।

अपनी आर्यसमाज के समस्त अधिकारियों, सदस्यों सहित अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आर्यजनों को प्रेरित करें। आपकी आर्यसमाज की ओर से कितने आर्यजन पहुंचेंगे इसकी सूचना यथाशीघ्र केन्द्रीय कार्यालय को भेजें तथा उसकी प्रति प्रान्तीय सभा को भी भेजें।

अपनी आर्य समाज के बाहर तथा मुख्य मार्ग और चौराहों पर सम्मेलन के होर्डिंग बनवाकर लगवाएं तथा सम्मेलन के पत्रकों में अपनी आर्यसमाज के अधिकारियों के नाम प्रकाशित करके जन–सामान्य को अधिकाधिक संख्या में आमन्त्रित करें। सीडी प्रान्तीय कार्यालय अथवा केन्द्रीय कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अपनी आर्यसमाज/संस्था की ओर से तीन–चार दिन की अथवा साप्ताहिक रूप से प्रभातफेरी का आयोजन करें तथा अधिकाधिक युवा शक्ति को महासम्मेलन सम्मिलित करने का प्रयास करें।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन तक आपकी संस्था की ओर से आयोजित होने वाले प्रत्येक उत्सव आदि के पत्रकों में महासम्मेलन की जानकारी अवश्य दें तथा सम्मेलन का "Logo" भी अवश्य छापें। लोगो www.aryamahasammelan.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज/संस्था की गतिविधियों का विवरण प्रकाशित कराएं, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी का संस्था नाम अंकित हो। स्मारिका में विज्ञापन की सूची इस पत्र के साथ भेजी जा रही है।

आपकी आर्यसमाज/आपके क्षेत्र में 80 वर्ष से अधिक आयु के यदि कोई आर्य महानुभाव हों, जिन्होंने अपना सारा जीवन आर्यसमाज के प्रचार–प्रसार तथा विशेष कार्य को समर्पित किया हो तो उनका पूर्ण विवरण लिखकर केन्द्रीय आयोजन समिति को भेजे, जिससे उनके नाम को सम्मान समिति के विचारार्थ भेजा जा सके।

उपरोक्त के अतिरिक्त सम्मेलन को सफल, यादगार एवं और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए आापके पास यदि कोई सुझाव हो तो उसे लिखकर केन्द्रीय आयोजन समिति को भेजें, जिससे आपके सुझावों/विचारों पर चर्चा की जा सके।

सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से दान एकत्र करने के लिए कूपन प्रकाशित किए गए हैं। राशि एकत्र करने हेतु आप प्रान्तीय कार्यालय से अथवा केन्द्रीय कार्यालय से कूपन मंगवाने तथा यथाशीघ्र एकत्र दानराशि भिजवाने की कृपा करें तथा अपनी आर्यसमाज की ओर से भी अधिकाधिक सहयोग राशि प्रदान करें। कृपया सहयोग राशि का चैक 'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा – महासम्मेलन – 2018' के नाम बनवाकर सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस महासम्मेलन में आपका एवं आपकी आर्यसमाज/संस्था का सहयोग पहले से अधिक प्राप्त होगा और सम्मेलन को सफल बनाने में हम अपने प्रान्त की ओर से अधिकाधिक सहयोग कर सकेंगे।धन्यवाद सहित

भवदीय

डॉ. सुधीर कुमार शर्मा (मन्त्री)

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

आर्यवीर दल राजस्थान मीटिंग की सूचना

आर्यवीर दल राजस्थान के प्रान्तीय कार्यकारिणी, अधिकारियों, व्यायाम शिक्षकों, उप व्यायाम शिक्षकों, कार्यकर्त्ताओं की अति आवश्यक बैठक 29 जुलाई 2018 रविवार को ऋषि उद्यान अजमेर में प्रातः 10 से 1 बजे तक रखी गई है। कृपया सभी को आवश्यक रूप से भाग लेना अनिवार्य है।

सत्यवीर जी आर्य अलवर

आर्य समाज धौलपुर के चुनाव सम्पन्न

स्थानीय आर्य समाज के प्रधान डॉ. लाजपति शर्मा, मंत्री अतरसिंह राजू भगत जी, महिला प्रधान श्रीमती मधु डॉ. आर. एस. गर्ग, महिला मंत्राणी श्रीमती शारदा आर्य को पुनः एक बार सर्वसम्मति से चुना गया है।

आर्य समाज के संरक्षक वेदमुनि ने बताया कि रविवार को स्थानीय शास्त्री नगर सेक्टर 2 स्थित आर्य समाज वेद मन्दिर पर आयोजित साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग के पश्चात एक विशेष बैठक में उपस्थित सभी आर्यजनों ने सर्वसम्मति से 25 सदस्यों की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें प्रधान डॉ. लाजपति शर्मा, मंत्री राजू भगत जी, कोषाध्यक्ष चन्द्रमोहन पैंगोरिया, उपप्रधान विश्रामसिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सर्वद्वारेषु देहेऽस्मिन्प्रकाश उपजायते। ज्ञानं यदा तदा विद्याद्विवृद्धं सत्त्वमित्युत ।। गीता – 14/11।।

सत्त्वगुण की अभिव्यक्ति को तभी अनुभव किया जा सकता है, जब शरीर के सारे द्वार ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं।

आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारियों का प्रचार एवं निरीक्षक कार्यक्रम।

(1) आर्य समाज नींदड़ जयपुर

दिनांक 1/05/18 से 16/05/18 के मध्य में जयपुर के विभिन्न स्थानों पर आर्य समाज के विभिन्न कार्य किये। इस समय में श्री देवेन्द्र शास्त्री, दीपक शास्त्री तथा प्रमोद आर्य ने वैशाली नगर के कार्यक्रम में भाग लिया, तथा आर्य समाज नींदड़ सीकर रोड में सभी सदस्यों ने रचनात्मक एवं प्रचार कार्यों का मूर्त रूप देने का विचार किया। आर्य समाज नींदड़ के प्रधान श्री भगवान सहाय जी विद्यावाचस्पति तथा आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष श्री डॉ. संदीपन आर्य ने सुझाव दिये कि वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार कार्यों के लिये आर्य समाज नींदड़ को केन्द्र बनाकर जयपुर एवं आस पास के क्षेत्रो में प्रचार कार्य को गति दी जा सके जिससे मंद पड़े आर्य समाज के कार्यों को गति दी जा सके। इस पर सभी सदस्यों ने मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

(2) आर्य समाज टोंक

दिनांक 17/05/18 को सदस्य श्री देवेन्द्र शास्त्री, दीपक शास्त्री एवं ललित आर्य ने प्रचार वाहन टोंक पहुँचे यहाँ से आय व्यय निरीक्षक श्री सुखलाल आर्य एवं अन्य सदस्यों के साथ स्थानीय आर्य समाज टोंक के कार्यों के विषय में विचार विमर्श किया, इस आर्य समाज से दशांश एवं निश्चित कोटि नियमानुसार सभा को प्राप्त होता है। यहाँ से श्री सुखलाल जी आर्य को साथ लेकर कोटा के लिये प्रस्थान किया।

(3) आर्य समाज रामपुरा कोटा

17/5/18 को दोपहर पश्चात् टोंक पहुँचकर पतंजली के केन्द्रीय प्रभारी श्री जगदीश आर्य से चित्तौड़गढ़ में आर्यवीर दल के शिविर लगाने तथा कोटा में 21 जून के प्रायोजित योग शिविर में सहयोग पर विचार हुआ। उसी दिन सायंकाल आर्य समाज रायपुर कोटा में लगभग 8: 30 बजे कोटा नगर के समस्त आर्य समाज की समस्याओं के समाधान के लिए श्री सुखलाल आर्य ने सभा की ओर से सुझाव रखें तथा समस्त संभाग की समस्त आर्य समाजों के आय व्यय लेखा निरीक्षक के लिए कार्यक्रम बनाने का निश्चय किया।

(4) आर्य समाज रावतभाटा (चित्तौड़गढ़)

दिनांक 18/05/18 को यज्ञ के पश्चात् सभा अधिकारियों ने आर्य समाज रावतभाटा के सदस्यों एवं अधिकारियों के साथ बैठकर प्रचार कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की श्री नरदेव आर्य एवं श्री ओमप्रकाश जी ने समस्त गतिविधियों की जानकारी दी आर्यवीर दल की शाखा विस्तार पर चर्चा की गई है तथा वरिष्ठ अधिकारी श्री नरदेव आर्य ने प्रचार वाहन हेतु आर्थिक सहयोग का आश्वासन दिया। सभा के उपप्रधान श्री ओमप्रकाश आर्य ने कहा कि उदयपुर संभाग के समस्त आर्य समाजों के आय– व्यय निरीक्षक एवं पता, फोन नम्बर सहित सम्पूर्ण विवरण तैयार किया जायेगा। दोपहर में सवाई माधोपुर मलारना चौड़ स्थित वैदिक आश्रम के लिए प्रस्थान किया।

(5) वैदिक आश्रम मलारना चौड़ सवाई माधोपुर

दिनांक 18/05/18 को मलारना स्थित वैदिक आश्रम में पहुँचे ज्ञात रहे यह आश्रम स्वामी आत्यानन्द जी द्वारा संचालित है। यहाँ चार दिवसीय वार्षिकोत्सव चल रहा था। प्रातः काल ग्राम में शोभायात्रा थी जिसमें लगभग दो हजार लोगों की उपस्थिति रही थी यज्ञशाला ऋषि उद्यान अजमेर के समान द्वितीय प्रति के रूप में निर्मित की गई। आर्य समाज सिद्धातों का पूर्णितः पालन किया जाता विशेषकर यज्ञशाला में धोति या कटि वस्त्र धारण करके ही प्रवेश किया जाता है। गायत्री यज्ञ अर्थ सहित याद होना चाहिये । यहाँ पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं, अधिकतर महिला–पुरुष ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। महिलाएं संध्या करती हैं। आचार्य सोमदेव जी, आचार्य कर्मवीर जी अजमेर, हरियाणा के प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्रीमान् रामनिवास जी यहाँ अपनी सेवाएं देते रहते हैं। यहाँ पर एक गुरुकुल प्रारम्भ किया गया है, जिसमें 30 ब्रह्मचारी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहाँ दूसरा ऋषि उद्यान अपना स्वरूप बना रहा है। हम सब सभा के सदस्यों ने देखकर ऊर्जा प्राप्त की।

(6) आर्यवीर दल गंगापुर सिटी

उसी दिन सांयकाल 9 बजे गंगापुर सिटी के लिए प्रस्थान किया जहाँ आर्यवीर दल का भरतपुर संभागीय शिविर चल रहा था। अभिषेक जी नगर संचालक के निर्देशन में 50 शिवरार्थी इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। यहाँ की गतिविधियाँ देखकर पदाधिकारियों से संगठन विस्तार पर चर्चा की। भोजन एवं रात्रि विश्राम शिविर स्थल पर सभी के साथ किया। अगले दिन दिनांक 19/05/18 का प्रातः जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

सुखलाल आर्य अन्तरंग सदस्य

दिनांक 15 जुलाई 2018 आर्य समाज महर्षि दयानन्द नगर तलवण्डी, कोटा के वार्षिक चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें निम्न पदाधिकारी नियुक्त किये गये–

प्रधान	श्री गुमान सिंह आर्य
मंत्री	श्री मनीष आर्य
कोषाध्यक्ष	मनु सक्सेना

मनीष आर्य, मंत्री

इन्द्रियाणां विचरतां, विषयेष्वपहारिषु । संयमे यत्नमातिष्ठेद्, विद्वान् यन्तेव वाजिनम् ।। – मनु. 2.88।।

अर्थात् विद्वान् मनुष्य, अपनी ओर आकर्षित करने वाले विषयों में विचरने वाली इन्द्रियों को नियन्त्रित करने में उसी प्रकार प्रयत्न करें, जैसे सारथी घोड़ों के नियन्त्रण में यत्न करता है।

आर्य समाज कोटपुतली के द्वारा किया गया वैदिक आश्रम का शिलान्यास

आर्य समाज कोटपुतली को भामाशाह पूरणमल भरगड़ के द्वारा प्रदान की गई भूमि डिफेंस कॉलोनी खरकड़ी में स्थित भूमि पर वैदिक आश्रम का शिलान्यास आर्य समाज के सन्यासी ओममुनि जी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण करके किया गया इस अवसर पर ओममुनि जी बताया कि आज देश में वैदिक विचारों का प्रचार प्रसार करने की अति आवश्यकता है और धर्म के वास्तविक स्वरूप को यदि कोई आज समझा पाया है तो वह महर्षि दयानन्द सरस्वती के द्वारा स्थापित आर्य समाज संगठन ही है।

आर्य समाज के मंत्री श्री वहादुर सिंह ने बताया कि इस आश्रम के निर्माण का मुख्य उद्देश्य वेदों का प्रचार प्रसार, युवाओं का चरित्र निर्माण, वृद्धों के सेवार्थ वृद्धाश्रम, अनाथ बच्चों की शिक्षा व आवास एवं गौ रक्षा जैसे प्रकल्प चलाये जाएंगें। कोषाध्यक्ष शीशराम यादव ने इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर रामकुमार सैनी, जगदीश आर्य, लीला राम सैन पोकर मल, रघुवीर रावत तथा किशन सैनी सहित अनेक आर्य जन उपस्थित रहे।

रमेश आर्य प्रवक्ता आर्य समाज कोटपुतली

शोक समाचार

डॉ. सुभाष जी वेदालंकार का दिनांक 6/7/18 को अकस्मिक निधन हो गया इनकी अन्तेष्टि पूर्ण वैदिक रीति से दिनांक 8/7/18 को आदर्श नगर सभा भवन में की गई तथा शोक सभा दिनांक 9/7/18 को सांयकाल आर्य समाज आदर्श नगर सभा भवन में की गई। आप का सम्पूर्ण जीवन आर्य समाज की सेवा में समर्पित रहा, आप संस्कृत शिक्षा विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रहे। शोक सभा में स्वामी प्रणवानंद सरस्वती जी, आचार्य रामपाल जी, कालानाथ शास्त्री तथा आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री डॉ सुधीर कुमार शर्मा आदि ने श्रद्धांजली अर्पित की। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर के समस्त सदस्य दुःख के इस समय में परिवार के साथ शोक संवेदना प्रकट करते हैं। तथा परमपिता परमात्मा से उनके आत्मिक शान्ति की प्रार्थना करते हैं।

- **परमात्मा की बनायी हुई इस सृष्टि में अभिमानी, अन्यायकारी, अविद्वान लोगों का राज्य बहुत दिन तक नहीं चलता ।**

– सत्यार्थ प्रकाश, एकादश समुल्लास

डाक पंजियन सं. RJ / JPC / 232 / 2017-2019 / आर. एन. आई नं.10471/60

कार्यालय सूचना एवं निर्देश

- समस्त आर्य समाज अपने भवन पर ओ३म् ध्वाज अनिवार्य रूप से फहरायें एवं मुख्य प्रवेश द्वार एवं भवनों के द्वार पर ''आर्य समाज/आर्य समाज मन्दिर'' इस प्रकार अवश्य अंकित करवायें। यथा समय आर्य समाज भवन, मुख्य द्वार, परिसर की बाउण्ड्री वॉल की मरम्मत, कलर पेन्ट आदि करवायें। आर्य समाज की सम्पत्तियों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सम्बन्धित आर्य समाज के पदाधिकारियों का है। आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा कभी भी आर्य समाज का निरीक्षण किया जा सकता है। कृपया अवगत रहें।
- आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान का मुखपत्र ''आर्य मार्तण्ड'' का प्रत्येक अंक नवम्बर–द्वितीय अंक से पीडीएफ फॉरमेट में भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस फॉर्मेट में प्राप्त करने के लिए अपना ईमेल पता, नाम एवं सम्पर्क सूत्र aryamartand@gmail.com पर भेजें। वाट्स एप्प पर ''सत्यार्थ प्रकाश क्रान्ति, आर्य वीर राज. सूचना, आर्य वीर दल के अन्य सभी ग्रुप्स में नियमित रूप से उपलब्ध करवाया जा रहा है ।
- आर्य समाजों में होने वाली समस्त गतिविधियाँ ऋषि दयानन्द सरस्वती के मन्तव्यों एवं वैदिक सिद्धान्तों के अनुसार ही संचालित की जावें। उक्त प्रयोजनार्थ ही आर्य समाज संस्थाएँ अपने परिसर एवं भवन अन्य सम्बन्धित संस्थाओं को नियमानुसार उपलब्ध करवा सकती हैं। महर्षि दयानंद के सिद्धान्तों के प्रतिकूल उद्देश्यों वाली संस्थाओं एवं संगठनों आदि के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा एतदर्थ स्वीकृति नहीं है। साथ ही समस्त आर्य समाजों के पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे आर्य समाज के भवन अथवा परिसर को व्यवसाय की दृष्टि से किराये पर देने से पूर्व सभा से लिखित में स्वीकृति अनिवार्यतः प्राप्त करें। इस सम्बन्ध में यह भी संसूचनीय है कि आर्य समाज के पदाधिकारियों को समाज के भवन, दुकान, जमीन अथवा किसी भी प्रकार की परिसम्पत्तियों को विक्रय करने का अधिकार नहीं है।

आतिथ्य –आहुति

आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान द्वारा जयपुर में कार्यालय परिसर में निरन्तर आने वाले अतिथियों के लिए अस्थायी आवास एवं भोजन हेतु संचालित आतिथ्य–यज्ञ में अपनी बहुमूल्य आहुति देकर इस पवित्र यज्ञ को सुचारू रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सभी आहुतिदाताओं का बहुत–बहुत आभार ।

अन्य जो भी इस व्यवस्था के सफल संचालन में अपनी आहुति भेंट करने के इच्छुक हों वे 9352547258 पर सम्पर्क कर सकते हैं। जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, स्मृति, विवाह आदि अवसरों पर आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा संचालित इस अतिथि यज्ञ में अपनी आहुति अर्पित पुण्यभागी बनें।

आगामी कार्यक्रम

1. 28वाँ आर्य महासम्मेलन अटलांटा (अमेरिका) : 19 से 22 जुलाई 2018
2. इस वर्ष भारत की राजधानी नई दिल्ली में होगा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – 2018 दिल्ली 25–26–27–28 अक्तूबर, 2018
   संयोजक – अन्तराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली–1, दूरभाष : 011–23360150, 23365959, 9540029044
   Email : aryasabha@yahoo.com;
   website: www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org

आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजा पार्क जयपुर के लिये राज प्रिन्टर्स एसोसियेट्स बेसमेंट, 45, परनामी मन्दिर जयपुर द्वारा मुद्रित।
मु. सम्पादक एवं प्रकाशक डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, मंत्री–आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान।

टिकट

प्रेषक:-
सम्पादक, आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

यूको बैंक A/c No.:18830100010430 तिलक नगर, जयपुर
IFSC - UCBA 0001883

प्रेषित

विशेष – आर्य्य मार्तण्ड में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। उनमें सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।